दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

1

दोआबा रिपोर्टर

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985

News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | सोमवार, 1 नवंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

भारत को मिली बड़ी कामयाबी

जलवायु परिवर्तन कम करने के लक्ष्य को हासिल करने का दिया सूत्र

सम्मेलन कई मायनों में भारत के लिए बेहद सफल रहा

नई दिल्ली- इटली की राजधानी रोम में चल रहा जी20 शिखर (G20 Summit) सम्मेलन कई मायनों में भारत के लिए बेहद सफल रहा है। सरकारी सूत्रों की मानें तो भारत इस शिखर सम्मेलन में भारत अन्य विकासशील देशों के साथ जलवायु (Climate) और ऊर्जा विशिष्ट के लक्ष्यों को पाने के लिए क्या एक्शन लिया जाए इस मुद्दे पर भाषा के महत्व को समझाने में सफल रहा है. रिपोर्ट के अनुसार जी20 देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रति अपने दायित्वों पर सक्रिय होकर काम करने के लिए कहा गया। सूत्रों ने बताया कि भारत जी20 देशों का ध्यान किसान की तरफ भी खींचने में सफल रहा। भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन के मंच से छोट और सीमांत किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिए जी20 देशों से कदम आगे बढ़ाने के लिए कहा जिसके लिए सभी देशों ने प्रतिबद्धता जताई। सूत्रों ने बताया कि शिखर सम्मेलन में इस बार समूह देशों का ध्यान हाशिए पर रहने वाले किसानों पर ज्यादा था.

भारत जलवायु परिवर्तन पर क्यों दे रहा जोर

इस साल की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाली मुख्य मॉनीटरिंग बॉडी इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज ने कहा था कि दुनिया को वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए तुरंत असाधारण कदम उठाने की जरूरत है. साथ में यह भी कहा गया कि 2015 में पेरिस में सीओपी बैठक न तो पर्याप्त महत्वाकांक्षी थी और न ही यह जलवायु संकट को दूर करने के लिए पर्याप्त थी. पेरिस बैठक में 190 देशों ने आद्योगिक स्तरों से तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करने की दिशा में काम करने की सहमति जताई थी जबकि हमारे पर्यावरण के लिए सबसे अच्छी स्थिति1.5 डिग्री सेल्सियस पर थी।

हालांकि यह सामने आया है कि अगर ऊर्जा उत्सर्जन वर्तमान स्थिति के अनुसार होता रहा तो इस सदी के अंत तक ग्रह के तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो जाएगी। इससे बचने के लिए, आईपीसीसी ने कहा, वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को 2050 के आसपास 'नेट शून्य' तक पहुंचने की आवश्यकता होगी. अमेरिका, ब्रिटेन जैसे लोगों ने 2050 तक नेट-जीरो हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि चीन ने कहा है कि यह 2060 तक कार्बन न्यूट्रल हो जाएगा.

भारत की स्थिति क्या है ?

जी20 समिट में भाग लेने के लिए यूरोप जाने से पहले पीएम मोदी ने अपने एक बयान में कहा था कि वह ग्लासगो बैठक में, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालेंगे. भारत जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर 24 'समान विचारधारा वाले विकासशील देशों' (LMDCs) के एक समूह का हिस्सा है. इस समूह की एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान पीएम मोदी ने उन टूटे हुए वादों की आलोचना की जो पूर्व में जलवायु परिवर्तन के दिशा में उठाने के लिए किए गए थे. पीएम मोदी ने बैठक में कहा कि आज, भारत जलवायु अनुकूलन, शमन और लचीलापन और बहुपक्षीय गठबंधन बनाने के सामूहिक प्रयास में नए रिकॉर्ड बना रहा है. भारत स्थापित अक्षय ऊर्जा, पवन और सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है।

आज से इन स्मार्टफोन में नहीं चलेगा WhatsApp

सैमसंग-एप्पल भी लिस्ट में शामिल, फोन आउटडेटेड ऑपरेटिंग सिस्टम पर चल रहा है तो आएगी दिक्कत

नई दिल्ली -एक नवंबर से मैसेजिंग एप व्हाट्सएप कई स्मार्टफोन में काम करना बंद कर देगा। अगर आपका फोन आउटडेटेड ऑपरेटिंग सिस्टम पर चल रहा है तो व्हाट्सएप चलना बंद हो सकता है। इन फोन में, श्नश्वद्य से सैमसंग और सोनी जैसी बड़ी कंपनियां भी शामिल हैं। दरअसल, हर साल व्हाट्सएप कई सारे पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए अपना सपोर्ट बंद करता है। सपोर्ट बंद करने का मतलब यह है कि कुछ डिवाइस के लिए व्हाट्सएप का नया अपडेट जारी नहीं किया जाता है। पहले से इंस्टॉल एप काम करता रहता है लेकिन अपडेट ना मिलने की वजह से एप को नए फीचर्स नहीं मिल पाते हैं और सिक्योरिटी का खतरा रहता है। इस साल भी कई सारे व्हाट्सएप के लिए एक नवंबर से सपोर्ट बंद हो रहा है। आइए देखते हैं उन फोन की लिस्ट जिनमें एक नवंबर से व्हाट्सएप का सपोर्ट बंद हो रहा है। आइए देखते हैं कि इस लिस्ट में आपका फोन शामिल है या नहीं।

Android डिवाइस की लिस्ट

यदि आपके पास कोई पुराना फोन है जिसमें एंड्रॉयड वर्जन 4.0.4 है तो आपके फोन में एक

नवंबर के बाद व्हाट्सएप नहीं चलेगा। इस लिस्ट में Samsung Gala&y Trend Lite, Gala&y Trend II, Gala&y SII, Gala&y Sx mini, Gala&y Xcover w, Gala&y Core, और Gala&y Ace 2 फोन शामिल हैं। वहीं अन्य फोन की बात करें तो इस लिस्ट में LGs Lucid 2, LG Optimus F|, LG Optimus Fz, Optimus Lx II Dual, Optimus Fz, Optimus Lz, Optimus Lz II, Optimus Lz Dual, Optimus Lx II, Optimus L|, Optimus L| II Dual, Optimus L| II, Optimus F{, Enact , Optimus Ly II Dual, Optimus Fx, Optimus Ly II, Optimus Lw II, Optimus Nitro HD, yX HD, Optimus FxQ के साथ स्पोर्ट बंद होने वाला है।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर 2
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | सोमवार, 1 नवंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

सीनियर कॉन्ग्रेसी नेता ने शेयर की पिछले साल की फोटो

इंदिरा गांधी के लिए पंजाब की कांग्रेस सरकार से श्रद्धांजलि नहीं

पंजाब के पूर्व कॉन्ग्रेस प्रधान सुनील जाखड़ ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर अपनी ही सरकार पर हमला बोला है। जाखड़ ने पंजाब में किसी भी नेता द्वारा आज के दिन कोई भी पोस्ट शेयर नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की है। जाखड़ ने अपने ट्वीट में पिछले साल के पंजाब सरकार के एक विज्ञापन को पोस्ट किया है, जिसमें कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं समझ सकता हूं कि बीजेपी भारत के इतिहास से 'आयरन लेडी ऑफ इंडिया' को मिटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन क्या अभी भी पंजाब में कॉन्ग्रेस की सरकार नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि कैप्टन साहब पिछले साल के पंजाब सरकार के विज्ञापन का इस्तेमाल करने से एतराज नहीं करेंगे, क्योंकि आज कोई भी विज्ञापन नहीं है। कॉन्ग्रेस ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने दिल्ली में उनके स्मारक 'शक्ति स्थल' पर पुष्पांजलि अर्पित की। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने हिंदी में ट्वीट किया, मेरी दादी अंतिम घड़ी तक निडरता से देश सेवा में लगी रहीं, उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। नारी शक्ति की बेहतरीन उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 को दो सिख सुरक्षा गार्डों ने हत्या कर दी थी। बता दें कि पंजाब सरकार में पिछले कई महीनों से अंर्तकलह जारी है। यही कारण है कि कॉन्ग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ ने सार्वजनिक तौर पर अपनी पार्टी पर हमला किया है। इसी वजह से इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर पंजाब सरकार के पिछले साल के विज्ञापन को साझा किया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई लौह पुरुष की जयंती

मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, फिरोजपुर में मंडल रेल प्रबंधक सीमा शर्मा की अध्यक्षता में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि लौह पुरुष श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों के द्वारा देश का एकीकरण संभव हो सका। अत: देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमें अपना योगदान करना चाहिए। राष्ट्रीय एकता दिवस का शुभारम्भ रन फॉर यूनिटी के साथ हुआ। इसकी शुरुआत रेलवे ऑफिसर्स क्लब से शुरू होकर साराग्रही गुरुद्वारा होते हुए पुन: ऑफिसर्स क्लब पर जाकर खत्म हुयी। इस दौर में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों ने मंडल रेल प्रबंधक की अगुआई में

उत्साहपूर्वक भाग लिया। रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा मंडल कार्यालय फिरोजपुर में एक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक ने इसकी सलामी ली तथा उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी। परेड में लगभग 50 रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने भाग लिया। इसके पश्चात् रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा एक मोटरसाइकिल रैली निकाली गयी जिसे हरी झंडी दिखाकर मंडल रेल प्रबंधक ने रवाना किया। यह रैली फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन से बर्त रोड, रेलवे कॉलोनी होते हुए फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर जाकर समाप्त हुयी।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ मंडल के सभी स्टेशनों अर्थात् फिरोजपुर कैंट, अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पठानकोट, जम्मूतवी, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, श्रीनगर आदि पर लिया गया।

दोआबा TV रिपोर्टर
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

3
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI NoÐ PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | सोमवार, 1 नवंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

दीवाली से पहले Pak के शिव मंदिर में तोड़फोड़,

25 लाख के आभूषण और रुपए भी ले गए, इलाके के लोगों की ही करतूत

पाकिस्तान में हिंदूओं और मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। ताजा मामला सिंध प्रांत के कोटरी का है। यहां एक प्राचीन हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने मंदिर भगवान की मूर्तियों को खंडित कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, हैदराबाद के जमशोरो के कोटरी में बुधवार (28 अक्टूबर 2021) देर रात प्राचीन शिव मंदिर का ताला तो?कर अज्ञात हमलावरों ने सोने के जेवर, चाँदी के तीन हार, मंदिर की दान पेटी से लगभग 25,000 रुपए और अन्य कीमती सामान चुरा लिए। मंदिर की देखरेख करने वाले ने बताया कि हार का वजन 10 तोले था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मंदिर की देखरेख करने वाले भगवानदास की शिकायत पर धारा 457, 380, 295 और 297 पीपीसी के तहत मामला दर्ज किया है। जमशोरो के एसएसपी जावेद बलोच ने बताया कि मंदिर प्रबंधन को पास के आवासीय इलाके से कुछ लोगों पर मंदिर में लूटपाट करने का शक है। हालाँकि, उन्होंने प्रतिमाओं के खंडित होने से इनकार किया है, लेकिन बताया गया है कि दीवाली के मौके पर क्षेत्र में तनाव फैलाने के मकसद से इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने चारों तरफ मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी है। इस बीच, सिंध के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ज्ञानचंद इसरानी ने एसएसपी को एफआईआर दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हिंदू समुदाय दीवाली का त्यौहार मनाने में व्यस्त था। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने एसएसपी को जिले में मंदिरों के चारों ओर सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश दिया है, ताकि इस तरह की घटना दोबारा ना हो। बताया जा रहा है कि चोरी किए गए जेवर और अन्य सामान की कीमत 20 से 25 लाख रुपए है। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में पाकिस्तान में हिंदू मंदिर को निशाना गया था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवादी हिंदुओं के मंदिर में घुसकर भगवान गणेश, शिव-पार्वती की मूर्तियों को तोड़ते हुए नजर आ रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर में लगे झूमर, घंटे को भी तहस-नहस कर दिया और मंदिर परिसर को भी काफी नुकसान पहुंचाया था।

वृश्चिक राशि वाले विद्यार्थियों का पढ़ाई में लगेगा मन

आज कार्तिक कृष्ण पक्ष की उदया तिथि एकादशी और सोमवार का दिन है। एकादशी तिथि आज दोपहर 1 बजकर 21 मिनट तक रहेगी। उसके बाद द्वादशी तिथि लग जायेगी। आज रात 9 बजकर 5 मिनट तक इन्द्र योग रहेगा। इन्द्र योग के दौरान सरकारी कार्यों में सफलता जरूर मिलती है। साथ ही आज दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रहेगा।

मेष-आज का दिन अच्छा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम के लिए आज आपको यात्रा करना प?ेगा। ये यात्रा जिस कार्य के लिये करेंगे उसमे सफलता प्राप्त होगी। आज आप पूरे दिन खुशमिजाज रहेंगे।

वृष-आज का दिन ठीक रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बिताने से आपको काफी खुशी महसूस होगी। बच्चों को आज सरप्राइज मिलेगा। कुछ लोग आज आपके किसी काम में मदद के लिये आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन-आज का दिन आपके लिये मिला-जुला रहेगा। किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च होंगे। इस राशि के जो लेखक हैं, उनकी कविता की आज प्रशंसा होगी। साथ ही उन्हें किसी समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

कर्क-आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आप अपने कार्यों को समय से पूरा करने में सफल होंगे। वकालत कर रहे विद्यार्थियों को आज किसी अनुभवी वकील का मार्गदर्शन मिलेगा।

सिंह-आज का दिन आपके लिए

फायदेमंद साबित रहने वाला है। आज पहले किये गए निवेश का लाभ मिलेगा। आज आपके कार्यों की तारीफ होगी। समाज में आपका मान सम्मान बना रहेगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग लेंगे।

कन्या-आज का दिन शानदार रहेगा। ऑफिस में आपको कोई ऐसा काम दिया जायेगा, जिसमें आपको भी दिलचस्पी है। नौकरी में प्रमोशन के साथ ही इनकम बढ़ने के चांस नजर आ रहे हैं। छात्र अपने कुछ विषयों को लेकर अधिक रुचि दिखायेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामांजस्य की स्थिति बनी रहेगी।

तुला-आज का दिन जीवन में नयी-नयी खुशियां लायेगा। आज आपका जीवनसाथी आपको कोई बड़ी खुशखबरी देंगे, जिससे परिवार में भी खुशी का माहौल बनेगा। आज आपको रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना कर चलने की जरुरत है। आज आप आर्थिक रूप से काफी मजबूत होंगे।

वृश्चिक-आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे आप अपने कार्य समय से पूरा कर लेंगे। आज आपका सकारात्मक विचार आपकी उलझनों को दूर करेगा।

धनु-आज का दिन जीवन में नया आयाम स्थापित करेगा। व्यापार में किसी ब?ी कम्पनी से डील फाइनल होगी। अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए आज कोई बड़ा फैसला लेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को ऑफिस के काम से अचानक दूसरे शहर जाना पड़ेगा।

मकर-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो समय से पूरा कर लेंगे। आज आपको पहले से चली आ रही किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ-आज आपका दिन शानदार रहेगा। लोग आपकी बातों को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पैसों से जुडी समस्याएं आज समाप्त हो जायेंगी। आज किस्मत का सहयोग मिलाने से आपके काम समय से पूरे होते जायेंगे। आज आपके व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे।

मीन-आज आपका कोई नजदीकी मित्र आपसे मिलने आयेगा। आप उनसे अपनी कोई निजी समस्या शेयर करेंगे। आज आपको परिवार की उलझनों को सुलझाने में किसी खास रिश्तेदार की मदद मिलेगी।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। (चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

4
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | सोमवार, 1 नवंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

नेहरू ने राष्ट्रपति डा. प्रसाद को सरदार पटेल के अंतिम संस्कार में जाने से रोका था

बेटी से थैले भर रुपए ले लिए पर हाल तक न पूछा

नेहरू मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री रहे केएम मुंशी लिखते हैं, जब बॉबे में सरदार पटेल का निधन हुआ, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रियों और सचिवों के लिए दिशानिर्देश जारी किया कि वो अंतिम संस्कार में भाग लेने बॉबे न जाएं।

कॉन्ग्रेस पार्टी में शुरू से एक परंपरा रही है कि वो अपने वरिष्ठ नेताओं को भूल जाते हैं, या फिर निधन के बाद उनका अपमान किया जाता है। बस वो नेता नेहरू-गांधी परिवार का नहीं होना चाहिए। अपने दादा फिरोज गांधी को राहुल और प्रियंका याद तक नहीं करते। उनकी कब्र धूल फांक रही है। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहा राव के शव के लिए कॉन्ग्रेस का दिल्ली दफ्तर नहीं खुला। हाल ही में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के साथ दूरी बना ली गई। यहां तक कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को सलाह दी थी कि वो सरदार वल्लभभाई पटेल के अंतिम संस्कार में न जाएं। देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल हों या दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, आज मोदी सरकार में कॉन्ग्रेस के साथ आजीवन जु? रहे इन नेताओं को कॉन्ग्रेस सरकारों से ज्यादा सम्मान व प्राथमिकता मिल रही है। उन्हें याद किया जाता है। उनके सम्मान में फिल्में बन रही हैं, पुस्तकें लिखी जा रही है, प्रतिमाओं का अनावरण हो रहा है और सबसे महत्वपूर्ण कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनकी शिक्षाओं की बात करते हैं और अपने सम्बोधनों के जरिए जनता तक इनका संदेश पहुंचाते हैं।

KM मुंशी ने किया खुलासा

सरदार पटेल ने वेलिंग्टन हवाई अड्डा (अब सफदरगंज एयरपोर्ट) से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। उस समय तक उनका शरीर इतना कमजोर हो गया था कि उन्हें व्हील चेयर पर विमान में बिठाना पड़ा था। विदा लेते समय हल्की मुस्कान के साथ उन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। निधन से पहले जब उन्हें हार अटैक आया तो वहां गीता पाठ भी हो रहा था। उन्होंने पानी मांगा तो उन्हें गंगाजल पिलाया गया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि ये मीठा लग रहा है। निधन के बाद क्या हुआ, इस बारे में कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने अपनी पुस्तक 'Pilgrimage to freedom' में लिखा है। KM मुंशी ने अगर कुछ लिखा है तो इसमें वजन होगा ही, क्योंकि वो साधारण व्यक्ति नहीं थे। इतिहास पर गुजरे, अंग्रेजी और हिंदी में कई पुस्तकें लिख चुके केएम मुंशी को सोमनाथ मंदिर जीर्णोद्धार करने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने 'भारतीय विद्या भवन' जैसे शैक्षिक संस्थान की स्थापना की और 'विश्व हिन्दू परिषद (VHP)' के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे। संविधान सभा के सदस्य रहे केएम मुंशी ने बाद में नेहरू सरकार में कृषि मंत्री और फिर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे। उन्होंने लिखा है, जब बॉम्बे में सरदार पटेल का निधन हुआ, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रियों और सचिवों के लिए दिशानिर्देश जारी किया कि वो अंतिम संस्कार में भाग लेने बॉम्बे न जाएं। उस समय मैं भी केंद्रीय मंत्री था। मैं उस समय महाराष्ट्र के माथेरान में था। एनवी गाडगिल, सत्येंद्र नाथ सिन्हा, और वीपी मेनन ने पीएम नेहरू के दिशानिर्देशों को न मान कर सरदार पटेल के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। यहां तक कि जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद से भी निवेदन किया कि वो बॉम्बे न जाएं।

पटेल के निधन की खबर जंगल में आग की तरह देश भर में फैली

वो 15 दिसंबर, 1950 का दिन था। देश के गृह मंत्री सरदार पटेल के निधन की खबर जंगल में आग की तरह देश भर में फैली और लोगों की आँखें नम हो गईं। वो बीमार चल रहे थे, लेकिन देश के लिए उनकी सक्रियता वैसी ही थी। भारत के 'लौह पुरुष', जिन्होंने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोया और आज़ादी के बाद एकीकरण का सबसे कठिन काम अपने हाथों में लेकर पूरा किया। वो नेता, कश्मीर और तिब्बत पर जिनकी बात मानी जाती तो आज भारत ज्यादा शांत और सुरक्षित होता। सरदार पटेल ने 565 राज्यों को मिला कर जिस गणतंत्र को बना, उसे ही भारतीय गणराज्य के नाम से जाना जाता है। निधन से पहले उन्हें डॉक्टर से लेकर उनके करीबी तक आराम की सलाह दे रहे थे, लेकिन वो काम करते रहे। करीबियों की जिद पर वो 12 दिसंबर, 1950 को स्वास्थ्य लाभ के लिए मुंबई के बिरला हाऊस आए। यहीं हार्ट अटक के कारण उनका निधन हुआ। कहते हैं, कई लोगों को तभी इसका पूर्वाभास हो गया था कि शायद अब सरदार पटेल से मिलना न हो पाए।

विचित्र निवेदन था और डॉटर प्रसाद ने इसे नहीं माना

बकौल केएम मुंशी, ये एक विचित्र निवेदन था और डॉक्टर प्रसाद ने इसे नहीं माना। उन्होंने बॉम्बे जाकर सरदार वल्लभभाई पटेल के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। केएम मुंशी बताते हैं कि उनके अलावा डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद, गोविन्द वल्लभ पंत और चक्रवर्ती राजगोपालचारी ने सरदार पटेल के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। तारा सिन्हा के कलेक्शन 'राजेंद्र प्रसाद-पत्रों के आईने में' में भी इसकी पुष्टि मिलती है। तारा सिन्हा देश के प्रथम राष्ट्रपति की पोती थीं। ये भी जानने लायक बात है कि 28 फरवरी, 1963 में जब बिहार की राजधानी पटना में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद का निधन हुआ, तब उस समय के लगभग सभी बड़े नेताओं ने उनके अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू नहीं आए थे। इतिहासकार जगदीश चंद्र शर्मा कहते हैं कि नेहरू ने तत्कालीन राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को भी सलाह दी थी कि वो डॉक्टर प्रसाद के अंतिम संस्कार में न जाएं। जैसा कि अपेक्षित था, राधाकृष्णन ने नेहरू की बातों पर ध्यान नहीं दिया और पटना गए।

निधन के बाद बेटी मिली थी नेहरू से

इतिहासकार व पत्रकार हिंडोल सेनगुप्ता ने अपनी पुस्तक 'अखंड भारत के शिल्पकार सरदार पटेल' में लिखा है कि सरदार पटेल के निधन के कुछ दिनों बात भारत में 'श्वेत क्रांति' के जनक कहे जाने वाले गुजरात में डेयरी सहकारी समितियों के संस्थापक वर्गीज कुरियन सरदार पटेल की बेटी मणिबेन से मिले थे। मणिबेन पटेल ने उन्हें बताया था कि पिता के निधन के बाद वो रुपए से भरे एक थैला लेकर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात करने गई थीं। ये रुपए लोगों ने कॉन्ग्रेस पार्टी को चंदा में दिया था, इसीलिए वो इन्हें पार्टी को सौंपने गई थीं। इस दौरान नेहरू ने उनसे ये तक नहीं पूछा कि आजकल वो कहां रह रही हैं या फिर उनका गुजर-बसर कैसे चल रहा है। नेहरू का मानना था कि अगर राष्ट्रपति एक मंत्री के अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं तो इससे एक गलत उदाहरण बनेगा। वो ये भूल गए कि पटेल सिर्फ एक 'मंत्री' नहीं थे, एक महान स्वतंत्रता सेनानी और आधुनिक भारत के शिल्पी थे। एक किसान नेता था, जो बाद में पूरे देश का नेता बने।